Paediatric Integrated Cancer Service
A statewide cancer service for children

परिवारों के लिए सूचना संसाधन

कैंसर उपचार के दौरान टीकाकरण
Immunisations during cancer treatment

सरकार द्वारा वित्त-पोषित राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत ऑस्ट्रेलिया में सभी स्वस्थ बच्चों के लिए टीकाकरण (जिन्हें वैक्सीन या इंजेक्शन भी कहा जाता है) की सँस्तुति की जाती है।

ये आम-तौर पर दो, चार, छह, 12 और 18 महीनों, साढ़े तीन साल की उम्र में और हाई स्कूल के वर्षों के दौरान किया जाता है। हालाँकि कैंसर के उपचार के दौरान इन टीकों की सँस्तुति नहीं की जाती है, फिर भी ऐसे कुछ टीके होते हैं जिन्हें इस समय भी सुरक्षित रूप से दिया जा सकता है और इनकी सँस्तुति की जाती है। उपचार के दौरान जो टीके दिए जाने चाहिए, उनके बारे में अपने बच्चे के ऑन्कोलॉजिस्ट के साथ बात करें। यदि आपको टीके लगवाने में कोई आपत्ति है, तो आपको इसके बारे में अपने ऑन्कोलॉजिस्ट तथा किसी विशेषज्ञ टीकाकरण प्रदाता के साथ चर्चा करनी चाहिए।

कैंसर के उपचार के दौरान किन अतिरिक्त टीकों की सँस्तुति की जाती है?

कैंसर से ग्रस्त बच्चों के लिए संक्रमण का खतरा अधिक रहता है क्योंकि कैंसर के उपचार से प्रतिरक्षण प्रणाली में कमी आ जाती है। इन सँक्रमणों में से कुछ को टीकाकरण के द्वारा रोका जा सकता है। कैंसर के उपचार के दौरान जिन टीकों की सँस्तुति की जाती है, उनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

इंफ्लुएंजा ('फ्लू') टीका (वार्षिक रूप से दिया जाता है)

आम-तौर पर 'फ्लू' के नाम से जाना जाने वाला इंफ्लुएंजा एक ऐसा सँक्रमण होता है जो आपके बच्चे को कैंसर के दौरान बहुत बीमार कर सकता है। फ्लू को रोकने का सबसे अच्छा तरीका फ्लू का टीका लगवाना होता है। कैंसर से ग्रस्त बच्चों को यह टीका लगाना सुरक्षित होता है और यह सबसे अच्छी तरह से तब कारगर होता है जब यह कीमोथेरेपी के चक्रों के बीच दिया जाए। यह आम-तौर पर फ्लू के मौसम की शुरुआत (मार्च/अप्रैल) में साल में एक बार दिया जाता है लेकिन इसे फ्लू के मौसम (मई से अक्टूबर) के दौरान किसी भी समय दिया जा सकता है। विदेश यात्रा के लिए विशेष व्यवस्था की जा सकती है। यह टीका नि:शुल्क है। यह आपके बच्चे के जीपी द्वारा दिया जा सकता है या ऑन्कोलॉजिस्ट द्वारा इसकी व्यवस्था की जा सकती है। टिटनेस का टीका (कुछ प्रकार की चोटों के बाद दिया जाता है)

यदि आपके बच्चे को निम्नलिखित में से किसी प्रकार की चोट लगी हो, तो उसे टिटनेस का टीका देना चाहिए:

- जंग लगी धातु से कट
- किसी जानवर द्वारा काटना
- किसी गंदी चीज से लगा कट।

टिटनेस का टीका आम-तौर पर डिप्थीरिया और पर्ट्युसिस (कुक्कुर खांसी) के टीके के साथ संयुक्त रूप से दिया जाता है। यह कैंसर के उपचार के दौरान भी सुरक्षित होता है। यह टीका आपके बच्चे के जीपी, आपातकालीन विभाग, या घर के करीब अस्पतालों या स्वास्थ्य सेवाओं में आपके बच्चे के ऑन्कोलॉजिस्ट या नर्स द्वारा दिया जा सकता है। यदि आपके पास इस बारे में कोई प्रश्न हैं, तो अपने बच्चे की नर्स से पूछें।

क्रमश

ANZCHOG
Australian & New Zealand Childrens Haematology/Oncology Group

यह परियोजना कैंसर ऑस्ट्रेलिया *कैंसर से ग्रस्त लोगों को समर्थन* अनुदान पहल है, जो ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा वित्त-पोषित है

Australian Government
Cancer Australia

अस्वीकरण: केवल शिक्षा और जानकारी के लिए। प्रकाशन के समय सामग्री सही है, परंतु समय के साथ जानकारी बदल सकती है। अपने चिकित्सीय सवालों के जवाब के लिए हमेशा अपनी स्वास्थ्य देखभाल टीम से सलाह लें। जून 2014 में प्रकाशित।

Hindi

ERC131384

क्रमश

न्यूमोकोक्कल टीका (कैंसर के निदान के शीघ्र बाद दिया जाता है)

न्यूमोकोक्कल रोग बहुत गंभीर होता है। इससे सेप्सिस (रक्त-संक्रमण), मेनिन्जाइटिस (मस्तिष्क की सूजन) और निमोनिया (सीने में संक्रमण) होता है। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत दो, चार और छह महीने की उम्र पर टीके (कुल तीन टीके) दिए जाते हैं। कैंसर से ग्रस्त कुछ बच्चों को न्यूमोकोक्कल रोग होने का अधिक खतरा हो सकता है, इसलिए इस टीके की एक चौथाई (या बूस्टर) खुराक से इसे रोकने में मदद मिलेगी। आपको अपने बच्चे के ऑन्कोलॉजिस्ट के साथ न्यूमोकोक्कल वैक्सीन के बारे में चर्चा करनी चाहिए।

कैंसर के उपचार के दौरान किन टीकों की सँस्तुति नहीं की जाती है?

कुछ टीकों में विषाणु की एक छोटी सी मात्रा होती है जिसे परिवर्तित कर दिया जाता है। इससे ये लोगों को दिए जाने के लिए सुरक्षित रहते हैं। इन्हें 'जीवित' ('लाइव') टीके कहा जाता है। इनसे सामान्यत: रोग नहीं होता है क्योंकि प्रतिरक्षण प्रणाली संक्रमण को दूर कर देती है, लेकिन कैंसर से ग्रस्त बच्चों की प्रतिरक्षण प्रणाली कमजोर होती है और यह ऐसा करने में कम सक्षम होती है, इसलिए उपचार के दौरान इन टीकों को नहीं दिया जाना चाहिए।

आपके बच्चे की नर्स स्कूल के लिए आपको एक पत्र दे सकती है जिसमें यह बताया जाता है कि आपके बच्चे को उपचार के दौरान कौन से टीके दिए जाने चाहिए और कौन से टीके नहीं दिए जाने चाहिए। यदि आवश्यक हो, तो आपका ऑन्कोलॉजिस्ट या डॉक्टर मेडिकेयर के लिए 'चिकित्सीय कारणों (कॉन्ट्राइन्डिकेशन) के लिए टीकाकरण से छूट' फॉर्म को पूरा कर सकता है, जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि टीकाकरण से जुड़े आपके सरकारी भुगतान/लाभ प्रभावित न हों।

कीमोथेरेपी के दौरान राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत जिन लाइव टीकों को नहीं दिया जाना चाहिए, उनमें शामिल हैं:

- मीज़ल्स, मंप्स, रूबेला (एमएमआर)
- वैरीसेल्ला (चिकनपॉक्स)
- मीज़ल्स, मंप्स, रूबेला, वैरीसेल्ला (एमएमआरवी)
- रोटावायरस (केवल छोटे शिशुओं को दिया जाना चाहिए, अपने ऑन्कोलॉजिस्ट से पूछें कि यह किस उम्र में दिया जाना चाहिए)।

जो लोग किन्हीं विशिष्ट देशों के लिए विदेश जा रहे होते हैं, उन्हें अन्य 'लाइव टीके' दिए जाते हैं। यदि उपचार के दौरान आप अपने बच्चे को विदेश ले जाना चाहते/चाहती हैं, तो आपको पहले अपने ऑन्कोलॉजिस्ट के साथ बात करनी चाहिए। उपचार के दौरान आपके बच्चे को निम्नलिखित लाइव टीके नहीं दिए जाने चाहिए:

- मौखिक पोलियो (साबिन)। इसे अब ऑस्ट्रेलिया में नहीं दिया जाता है और इसकी जगह पर निष्क्रिय पोलियो वैक्सीन (आइपीवी) दी जाती है, जो सुरक्षित होती है
- मौखिक टाइफाइड। टाइफाइड के लिए एक वैकल्पिक टीका उपलब्ध है, जो सुरक्षित होता है
- तपेदिक की रोकथाम के लिए बैसिल कैल्मेट्ट-ग्युरिन (बीसीजी)
- पीला बुखार
- जापानी इन्सेफेलाइटिस।.

कैंसर के उपचार के दौरान कुछ टीके सुरक्षित होते हैं, और उनकी सँस्तुति की जाती है।

अस्वीकरण: केवल शिक्षा और जानकारी के लिए। प्रकाशन के समय सामग्री सही है, परंतु समय के साथ जानकारी बदल सकती है। अपने चिकित्सीय सवालों के जवाब के लिए हमेशा अपनी स्वास्थ्य देखभाल टीम से सलाह लें। जून 2014 में प्रकाशित।

Paediatric Integrated Cancer Service
A statewide cancer service for children

सुझाव

घर में रहने वाले परिवार के सदस्यों या अन्य लोगों को कौन से टीके दिए जाने चाहिए?

कैंसर से ग्रस्त बच्चों की संक्रमण से सबसे अच्छी तरह से रक्षा करने के लिए घर में रहने वाले परिवार के सभी सदस्यों और लोगों को पूरी तरह से मौजूदा सँस्तुतियों के अनुसार टीके लगाए जाने चाहिए। घर में मौजूद अन्य बच्चों को सामान्य तरीके से टीके लगाना सुरक्षित होता है और इसकी प्रबलता से सँस्तुति की जाती है। इनमें शामिल हैं:

- मीज़ल्स, मंप्स, रूबेला (एमएमआर)
- मीज़ल्स, मंप्स, रूबेला, वैरीसेल्ला (एमएमआरवी)
- वैरीसेल्ला (चिकनपॉक्स)
- रोटावायरस (छह महीने से कम आयु के छोटे शिशुओं को दिया जाना चाहिए)।

यदि घर में किसी को भी वैरिसेल्ला या एमएमआर-वी का टीका दिए जाने के बाद चिकनपॉक्स की तरह का रैश विकसित होता है, तो रैश को ढक लें (कपड़े या एक बड़ी ड्रेसिंग से) और अपने जीपी या ऑन्कोलॉजिस्ट से संपर्क करें।

इस बात का थोड़ा सा खतरा रहता है कि रोटावायरस वैक्सीन विषाणु का टीका लगाए जाने के दो सप्ताह बाद तक घर में रहने वाले अन्य लोगों में विषाणु फैल सकता है। इससे बचने के लिए हाथ धोने और नैप्पी के निपटान के समय अतिरिक्त ध्यान रखें।

घर में रहने वाले अन्य लोगों के लिए जिन टीकों की प्रबलता से सँस्तुति की जाती है, उनमें शामिल हैं:

- इंन्फ्लुएंज़ा ('फ्लू') का टीका - छह महीनों से अधिक की उम्र के हर व्यक्ति को दिया जाना चाहिए
- पर्ट्युसिस (कुक्कुर खांसी) - 15 साल से अधिक की उम्र के लोगों के लिए बूस्टर खुराक आवश्यक हो सकती है।

कैंसर के उपचार के बाद कौन से टीके दिए जाने चाहिए?

उपचार के पूरा होने के लगभग छह महीनों बाद आपके बच्चे को बचपन में लगाए गए टीकों की बूस्टर खुराकों की आवश्यकता हो सकती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके बच्चे को कैसी कीमोथेरेपी दी गई है।

अपने बच्चे का उपचार बंद होने के छह महीनों बाद अपने ऑन्कोलॉजिस्ट से पूछें कि क्या इस समय बूस्टर टीके दिए जाने चाहिए। और अधिक जानकारी के लिए कृपया ***www.pics.org.au*** पर कैंसर का उपचार समाप्त करने के बाद टीके देखें।

आगे के प्रश्नों के लिए किससे संपर्क करें

यदि आपके पास अपने बच्चे या परिवार के टीकाकरण के बारे में कोई भी सवाल हैं, तो अपने ऑन्कोलॉजिस्ट के साथ बात करें। आप अपने अस्पताल में टीकाकरण क्लिनिक से भी संपर्क कर सकते/सकती हैं। यहाँ नंबर लिखें:

अस्पताल का फोन नंबर: _____

लिंक्स ***www.humanservices.gov.au/spw/customer/forms/resources/immu11.1310p.pdf***

अस्वीकरण: केवल शिक्षा और जानकारी के लिए। प्रकाशन के समय सामग्री सही है, परंतु समय के साथ जानकारी बदल सकती है। अपने चिकित्सीय सवालों के जवाब के लिए हमेशा अपनी स्वास्थ्य देखभाल टीम से सलाह लें। जून 2014 में प्रकाशित।
Hindi

Paediatric Integrated Cancer Service
A statewide cancer service for children